3000 छात्रों को हर साल उद्यमिता का प्रशिक्षण

देवभूमि उद्यमिता योजना को मंजूरी : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ हुआ समझौता

देहरादून। राज्य के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों में हर साल 3000 छात्रों को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बृहस्पतिवार को उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी।

योजना को परवान चढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के साथ समझौता किया है। योजना का मकसद राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत राज्य को आत्मनिर्भर और सशक्त राज्य के रूप में विकसित करने के लिए युवाओं को

उद्यमिता व कौशल से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं के लिए बूट कैंप पिचिंग इवेंट, सीड फंडिंग, उच्च शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत प्राध्यापकों के लिए उद्यमिता मेंटर प्रशिक्षण, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, राज्य में उद्यमिता विकास के लिए प्रोफाइल एंड ऑपर्च्यूनिटी मैपिंग, चयनित उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम से प्रतिवर्ष 3000 युवाओं को उद्यमिता प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उच्च शिक्षण संस्थानों में अधिकारियों, प्राचार्यों और कुलपतियों का प्रशिक्षण, विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए उद्यमिता पाठ्यक्रम निर्माण भी होगा। देवभूमि उद्यमिता योजना संचालित करने के लिए सात करोड़ 11 लाख 95 हजार की कार्ययोजना तैयार की गई है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान 1983 में आईडीबीआई बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों की ओर से स्थापित एक अखिल भारतीय संस्थान है। जो उद्यमिता विकास, प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत है। देश भर में इसके सात क्षेत्रीय कार्यालय और 22 परियोजना कार्यालय संचालित हैं।

यह एक इन्क्यूबेशन सेंटर क्रेडल संचालित करता है, जो स्वास्थ्य देखभाल, कृषि-प्रसंस्करण, विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखता है। यह गुजरात सरकार की ओर से उद्यमिता में नोडल एजेंसी और एंकर संस्थान है। ब्यूरो

Article Written and Published by Amar Ujala